मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

# MSK–024

## संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

## (पी.जी.एस.के.टी.)

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2025

## एम.एस.के.-024 : संस्कृत : अभियान्त्रिकी, कृषि विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी उत्तरों का माध्यम केवल एक भाषा हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी* ***या*** *संस्कृत हो।*

---

## खण्ड—क

***नोट :*** *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।*

$3 \times 20 = 60$

1. 'संस्कृत वाङ्मय' में वर्णित सिविल एवं यांत्रिक आभियांत्रिकी पर प्रकाश डालिए।
2. 'विमान' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए विमान रक्षण विधि का वर्णन कीजिए।
3. कृषि के महत्त्व को स्पष्ट करते हुए कृषि प्रबन्धन का वर्णन कीजिए।
4. संस्कृत साहित्य में वर्णित कार्बनिक उर्वरक (गौ अपशिष्ट उर्वरक) की निर्माण विधि एवं अनुप्रयोग का वर्णन कीजिए।
5. वायु के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए वैदिक वाङ्मय में वायु संरक्षण की अवधारणा का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
6. संस्कृत साहित्य में वर्णित बालकों के संवेगात्मक विकास पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।

## खण्ड—ख

***नोट :*** *निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।* $4 \times 10 = 40$

7. शब्दकेन्द्राभिमुख यन्त्र का वर्णन कीजिए।

8. मृत्तिका के प्रकार का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

9. 'संस्कृत वाङ्मय' में वर्णित वर्षा जल के मापन पर प्रकाश डालिए।

10. 'संस्कृत वाङ्मय' में वर्णित पारिस्थितिकीय चिन्तन की विवेचना कीजिए।

11. 'संस्कृत वाङ्मय' में वर्णित मृदा संरक्षण की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

12. मनोविज्ञान से क्या अभिप्राय है? 'संस्कृत वाङ्मय' में वर्णित मनोविज्ञान के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

13. 'संस्कृत वाङ्मय' में वर्णित चिकित्सा मनोविज्ञान पर प्रकाश डालिए।

14. वायु के स्वरूप का वर्णन करते हुए वैदिक साहित्य में वर्णित वायु संरक्षण की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

× × × × ×